पत्र सूचना कार्यालय (रक्षाविंग)
भारत सरकार
****

'हर काम देश के नाम'

नई दिल्लीःअग्रहायण 18,1944
शुक्रवारः 09 दिसंबर 2022

भारत एक आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में उभरा है जो सामूहिक कल्याण में विश्वास करता है, लेकिन आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप को खारिज करता है: रक्षा मंत्री

"प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व मंच पर भारत की छवि को एजेंडा-सेटर के रूप में बदल दिया है"

रक्षा निर्यात अब 14,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है, हम 2025 तक 25,000 करोड़ रुपये के लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर अग्रसर हैं: श्री राजनाथ सिंह

भारत एक आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में उभरा है जो सामूहिक कल्याण के लिए मिलकर काम करने में विश्वास करता है, लेकिन अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप को खारिज करता है। यह बात रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 09 दिसंबर 2022 को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में कही। उन्होंने इसका श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की कूटनीति, विश्वसनीयता और नेतृत्व गुणों को दिया, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि को एजेंडा-सेटर में बदल दिया है। उन्होंने कहा, "भारत ने आज खुद को वैश्विक उच्च स्तर पर खड़ा कर लिया है।" उन्होंने कहा कि हमारी शांतिप्रिय प्रकृति और आत्मसम्मान को दुनिया द्वारा मान्यता और सम्मान दिया जा रहा है।

संघर्ष प्रभावित यूक्रेन से 22,500 से अधिक भारतीयों को निकालने के लिए शुरू किए गए 'ऑपरेशन गंगा' का उल्लेख करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह प्रधानमंत्री की रूस, यूक्रेन और अमेरिका के राष्ट्रपतियों के साथ बातचीत के बाद संभव हो सका। उन्होंने इसे एक वैश्विक नेता के रूप में पूरे विश्व में श्री नरेन्द्र मोदी की विश्वसनीयता और स्वीकृति का प्रमाण बताया।

राष्ट्र के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण की सराहना करते हुए रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत पिछले 8.5 वर्षों में 3.5 ट्रिलियन अमरीकी डालर के सकल घरेलू उत्पाद के साथ पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा, '2014 से पहले भारत 'फ्रेजाइल फाइव' देशों में शामिल था। आज, हम उस श्रेणी से बाहर निकल गए हैं और दुनिया की 'शानदार पांच' अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गए हैं। मॉर्गन स्टेनली के प्रबंध निदेशक श्री चेतन अहया द्वारा वैश्विक आर्थिक दृष्टिकोण पर हाल ही में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, भारत 2027 तक अमेरिका और चीन के बाद तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। अगले 10 साल में भारत की जीडीपी बढ़कर 8.5

ट्रिलियन अमरीकी डालर हो जाएगी। यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि भारत दुनिया के लिए आशा और विश्वास का केंद्र बन गया है।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना को साकार करने के लिए सरकार के प्रयासों के कारण, भारत विनिर्माण की मुख्यधारा में शामिल हो गया है और अब आईएनएस विक्रांत जैसे स्वदेशी विमान वाहक का उत्पादन कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान निजी क्षेत्र के साथ-साथ राष्ट्र के विकास के लिए उनकी भागीदारी बढ़ाने पर है औरविदेशी कंपनियों को 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा डीपीएसयू के लिए घटकों/लाइन रिप्लेसमेंट यूनिटों और 310 अन्य रक्षा संबंधित मदों सहित 3,700 से अधिक मदों की सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों के कारण रक्षा निर्यात अब 14,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है, जो 2014 में 900 करोड़ रुपये था। उन्होंने भरोसा जताया कि 2023 तक रक्षा निर्यात 19,000 करोड़ रुपये को पार कर जाएगा और हम 2025 तक 25,000 करोड़ रुपये के निर्यात के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आज भारत के पास उम्मीद, नीति की स्थिरता और नेतृत्व की गुणवत्ता है। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान भारत के प्रबंधन पर विभिन्न देशों और संगठनों द्वारा की गई सराहना के बारे में बातकी। उन्होंने कहा, महामारी के दौरान, भारत ने न केवल मास्क, पीपीई किट का निर्माण किया और स्थानीय जरूरतों को पूरा करने के लिएपरीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना की, बल्कि कई देशों की मदद भी की। उन्होंने कहा, 'हमने लगभग 100 देशों कोकोविड वैक्सीनकीआपूर्ति भी की। अब तक टीके की दो बिलियन 19 करोड़ से अधिक खुराक उपलब्धकराना हमारे टीकाकरण कार्यक्रम की एक बड़ी उपलब्धि है।

भारत के जी-20 की अध्यक्षता पर श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम' और वैश्विक कल्याण की भावना से प्रेरित होकर प्रधानमंत्री ने इन कार्यक्रमों के माध्यम से भारत के संकल्प को उन देशों के विकास के साथ साझा करने का निर्णय लिया है, जो अभी तक कोविड-19 से उबर नहीं पाए हैं। इन जी-20 आयोजनों का विषय 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' है जिसके माध्यम से विकास का समावेशी और निर्णायक रोडमैप तैयार किया जाएगा।

रक्षा मंत्री ने देश की भौतिक और डिजिटल अवसंरचना को मजबूत करने के लिए पिछले 8.5 वर्षों में सरकार द्वारा किए गए कई प्रक्रियात्मक और संरचनात्मक सुधारों को भी सूचीबद्ध किया। इनमें प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा पाइपलाइन और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना के अनुरूप देश में एक क्रियाशील स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र बनाया गया है। देश में पंजीकृत स्टार्ट-अप की संख्या 2014 में सिर्फ 400-500 थी जो बढ़कर 2022 में 80,000 से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि 100 से अधिक यूनिकॉर्न बन गए हैं।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश की मजबूत आर्थिक स्थिति के कारण कोविड-19 के बावजूद रिकॉर्ड प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हुआ है। उन्होंने कहा कि 2021-22 में

अब तक का सबसे अधिक 83.6 बिलियन डॉलर का एफडीआई दर्ज किया गया। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत आने वाले समय में सबसे शक्तिशाली देशों में से एक बनेगा।

एसआर/डीएस